पद

पूर्व वर्षों के प्रश्नोत्तर
2016

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 1.

भावभक्ति को जागीर क्यों कहा गया है? उसके लिए क्या आवश्यक है? मीरा के पद के आधार पर लिखिए।

Answer:

मीरा श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थीं और उनके लिए अपने आराध्य की भक्ति इस संसार की सर्वोत्तम जागीर अर्थात् संपत्ति थी। अपने आराध्य के प्रति किसी भी भक्त की सच्ची भावभक्ति ही उसकी ऐसी जागीर हैं, जिन्हें कोई अन्य चुरा नहीं सकता। अतः भावपूर्ण भक्ति को सच्ची संपत्ति अथवा जागीर कहा गया है।

ऐसी सच्ची भक्ति अपने आराध्य के प्रति पूर्णतया समर्पित हो कर ही हो सकती है। जब आराधक संपूर्ण निष्ठा से मात्र अपने ही प्रभु को देखना, रिझाना, स्मरण करना तथा पाना चाहता है, तभी ऐसी अनुपम भक्ति प्राप्त होती है। अतः मीरा भी चाहती हैं कि वह प्रभु की चाकरी करें, उनके दर्शन, नाम-स्मरण करने से ऐसी सच्ची जागीर उन्हें प्राप्त हो।

Question 2.

कौन-कौन से तर्क देकर मीरा कृष्ण से दर्शन देने का आग्रह करती हैं?

Answer:

मीरा भक्त-वत्सल श्रीकृष्ण को भाँति-भाँति के तर्क देकर दर्शन देने का आग्रह कर रही हैं। कभी वे दास्य भाव से आग्रह करती हैं कि वे उन्हें दर्शनामृत दे कर उसकी पीड़ा का अंत करें।

कभी मीरा उपालंभ का आश्रय लेती हैं और अपने आराध्य को स्मरण कराती हैं कि किस प्रकार उन्होंने द्रोपदी, प्रह्लाद व गजराज का उद्धार किया था। जब आराध्य-देव ने अपने सभी भक्तों के कठिन समय में उपस्थित हो कर उनका उद्धार किया है, तब अपनी इस उपासिका की पुकार पर भी उन्हें आना ही पड़ेगा। मीरा श्रीकृष्ण के दर्शन पाने के लिए प्रेम, उपालंभ आदि सभी प्रकार के तर्कों का आश्रय लेती हैं।

2015
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 3.

चाकरी से मीरा को क्या लाभ मिलेगा?

Answer:

भगवान कृष्ण की चाकरी करने से मीरा को अनेक लाभ होंगे– वे अपने आराध्य का सान्निध्य पा सकेंगी। नित्य प्रति उनका स्मरण और दर्शन सुख पाएँगी। उनकी भक्ति-भाव रूपी जागीर को प्राप्त कर सकेंगी।

निबंधात्मक प्रश्न

Question 4.

मीराबाई ने हरि से स्वयं का कष्ट दूर करने की जो विनती की है उसमें स्वयं का कृष्ण से कौन-सा संबंध बताया है? जिन भक्तों के उदाहरण दिए हैं उनमें से एक पर की गई कृष्ण कृपा को संक्षेप में लिखिए।

Answer:

मीराबाई ने हरि से स्वयं के कष्ट दूर करने की जो विनती की है उसमें स्वयं का कृष्ण से भक्त और भगवान का संबंध बताया है। मीराबाई श्री कृष्ण को उपालंभ (शिकायत करते हुए) देते हुए कहती हैं कि वे भक्त वत्सल भगवान जैसे अपने अन्य भक्तों की पीड़ाओं का निवारण करते हैं वैसे ही उनकी (मीरा की) पीड़ाओं का भी निवारण करें। प्रस्तुत पद में मीरा ने भगवान की भक्त वत्सलता को दिखाने के लिए द्रोपदी, प्रह्लाद और गजराज के उदाहरण दिए हैं। उन्होंने कहा है कि भरी सभा में जब द्रोपदी का चीर हरण किया जा रहा था तब भगवान् ने ही उसका चीर बढ़ाकर उसकी लाज रखी थी। हिरण्यकशिपु द्वारा जब अपने पुत्र भक्त प्रह्लाद पर अनेक अत्याचार किए जा रहे थे तब भगवान् विष्णु ने ही नरसिंह का अवतार लेकर उसके प्राणों की रक्षा की थी। गजराज (ऐरावत) को जब एक ग्राह (मगरमच्छ) जल में खींच रहा था तब डूबते हुए गजराज के प्राणों की रक्षाकर भगवान ने भक्तों के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया था। मीरा भी प्रभु से प्रार्थना करती हैं कि वे (श्री कृष्ण) अपनी अनन्य दासी मीरा के प्रति भी ऐसी ही भक्त वत्सलता दिखाएँ।

टिप्पणीः– विद्यार्थी तीनों उदाहरणों में से किसी एक उदाहरण का चयन कर सकते हैं।

2014
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 5.

मीरा ने कृष्ण से अपनी सहायता करने का आग्रह क्यों किया है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

मीरा ने कृष्ण से अपनी सहायता करने का आग्रह किया है क्योंकि वे मानती हैं, कि उनके आराध्य श्री कृष्ण भक्त वत्सल हैं। वे भक्तों की एक पुकार पर उनका उद्धार करने के लिए दौड़े आते हैं। भक्तों के प्रति इसी असीम प्रेम के कारण उन्होंने द्रोपदी, प्रह्लाद और गजराज के कष्टों का निवारण किया। मीरा मानती हैं कि वे श्री कृष्ण की अनन्य भक्त हैं इस नाते प्रभु उनके भी कष्टों का निवारण करें।

निबंधात्मक प्रश्न

Question 6.

मीरा कृष्ण की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? उनका लक्ष्य सांसारिक सुखों की प्राप्ति क्यों नहीं है? मीरा के पद के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Answer:

मध्यकालीन कवयित्री मीरा श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थीं। कृष्ण से मिलने की आतुरता ही उनके काव्य का प्रधान विषय था। इसी आतुरता की अभिव्यक्ति 'स्याम म्हाने चाकर राखो जी, पद में देखने को मिलती है। गिरिधर नागर के दर्शन मीरा हर पल करना चाहती हैं। मीरा के मन में कृष्ण के प्रति समर्पण का भाव है। मीरा श्याम की चाकरी अर्थात् नौकरी उनका सान्निध्य पाने के लिए करना चाहती हैं। मीरा कृष्ण की सेविका बनकर बाग बगीचे लगाएँगी। इस नौकरी से मीरा को प्रभु के दर्शन तो मिलेंगे ही साथ ही वेतन के रूप में ईश्वर का स्मरण करने का सुअवसर भी प्राप्त होगा। इन सबसे भी बढ़कर भक्तिभाव रूपी जागीर मिल जाएगी।

मीरा का लक्ष्य सांसारिक सुखों की प्राप्ति करना नहीं था क्योंकि उनके अनुसार भौतिक सुख जैसे– धन-दौलत, ऐश्वर्य एवं नाते-रिश्ते सभी अस्थायी होते हैं, जबकि आध्यात्मिक सुख अर्थात् ईश्वर प्राप्ति का सुख शाश्वत होता है। जिसे पाकर आत्मा जीवन-मरण के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष पा जाती है। यूँ भी मीरा राज-परिवार की पुत्रवधू थी। यदि भौतिक सुखों की लालसा उन्हें होती तो वे संन्यास के मार्ग की ओर अग्रसर ही न होतीं। वे कृष्ण भक्ति में मग्न हो तपस्विनी-सा जीवन न जीतीं तथा अपने आराध्य से उद्धार की गुहार न लगातीं।

2013
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 7.

भाव स्पष्ट कीजिए–

"मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ"

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

यहाँ मीरा अपने आराध्य श्री कृष्ण से प्रार्थना कर रही हैं कि भगवान श्री कृष्ण अपनी दासी मीरा को दर्शन देकर उसके जीवन को सफल करें। अपने आराध्य श्री कृष्ण का दर्शन पाने के लिए मीरा का हृदय अत्यंत अधीर हो रहा है। मीरा बार-बार अपने आराध्य के बारे में स्पष्ट करना चाहती हैं कि वे सिर्फ भगवान श्री कृष्ण की भक्ति करती है, उसी गिरिधर का दर्शन पाना चाहती हैं और उन्हीं की सेवा करना चाहती हैं। यहाँ 'मीरा' की दास्य-भक्ति का परिचय मिलता है।

Question 8.

मीरा के पदों में कृष्ण लीलाओं एवं महिमा के वर्णन का उद्देश्य क्या है?

Answer:

मीरा के द्वारा कृष्ण लीलाओं एवं कृष्ण महिमा का वर्णन इसलिए किया गया है क्योंकि मीरा अपने आराध्य श्री कृष्ण की दयालुता, कृपा व भक्तवत्सलता का परिचय देना चाहती हैं। मीरा की दृष्टि में उनके आराध्य सदा अपने भक्तों की सहायता करते हैं, अपने भक्तों का कल्याण करते हैं। भगवान श्री कृष्ण सदा अपने भक्तों पर अपनी कृपादृष्टि बनाए रखते हैं। मीरा को विश्वास है कि श्री कृष्ण उनका भी उद्धार करेंगे।

2012
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 9.

मीराबाई कृष्ण की चाकरी कर क्या-क्या लाभ कमाना चाहती है?

Answer:

मीराबाई कृष्ण की चाकरी कर श्रीकृष्ण का प्रतिदिन दर्शन पाना चाहती हैं। मीरा श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहना चाहती हैं। मीरा श्रीकृष्ण की यादों में सदा लीन रहना चाहती है। वृंदावन की गलियों में श्रीकृष्ण की लीलाओं का गुणगान करना चाहती है। मूल रूप से मीरा श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति की भावना को बनाए रखना चाहती हैं क्योंकि श्रीकृष्ण की भक्ति ही मीरा के लिए सबसे बड़ी जागीर है, सबसे महत्त्वपूर्ण है।

Question 10.

भक्ति के विषय में मीरा क्या संदेश देना-चाहती है?

Answer:

भक्ति के विषय में मीरा यह संदेश देना चाहती हैं कि ईश्वर भक्ति के लिए 'सुमिरन' की आवश्यकता होती है। जिस प्रकार 'खर्च' करने पर कुछ प्राप्त होता है उसी प्रकार 'सुमिरन' रूपी खर्च से 'भक्ति की भावना' व ईश्वर का दर्शन प्राप्त होता है। मुख्य संदेश यह है कि ईश्वर के सुमिरन में लीन रहना चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 11.

श्रीकृष्ण के अप्रतिम रूप सौंदर्य का वर्णन मीरा के पद के आधार पर अपने शब्दों में कीजिए।

Answer:

भगवान श्रीकृष्ण से सिर पर मुकुट है उन्होंने पीला वस्त्र धारण कर रखा है। साँवले रंग पर पीला वस्त्र अत्यधिक सुशोभित हो रहा है। उनके गले में वैजंती फूलों की माला सुशोभित हो रही है। गाय चराते हुए भगवान श्रीकृष्ण आकर्षक लग रहे हैं। उनके हाथों में (श्रीकृष्ण की) मुरली सुंदर लग रही है। मीरा श्रीकृष्ण के साँवले रूप का दर्शन पाना चाहती हैं।

Question 12.

'हरि आप हरो....' पद में मीरा ने किन-किन भक्तों पर की गई कृपा को स्मरण करते हुए हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती की है?

Answer:

मीरा ने ईश्वर की महानता, दयालुता व भक्त वत्सलता का गुणगान करते हुए कहा है कि आपने द्रोपदी की लाज बचाई, उसके वस्त्र को बढ़ा कर द्रोपदी के लाज की रक्षा की। आपने नरसिंह का रूप धारण कर अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा की। आपने मगरमच्छ से बूढ़े गजराज के प्राणों को बचाया इसलिए हे प्रभु आप हमारे कष्टों को दूर कर हमारा भी कल्याण करो।

2011
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 13.

मीरा ने पद में हरि से पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है?

Answer:

मीरा ने श्रीकृष्ण के भक्त वत्सल रूप एवम् दयालुता का गुणगान करते हुए उनसे अपनी पीड़ा हरने की विनती की है। मीरा के अनुसार, जिस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने दुख व विपत्ति में द्रोपदी, गजराज, प्रह्लाद आदि भक्तों के कष्टों को दूर किया, ठीक उसी प्रकार वे मीरा के कष्टों को भी दूर करें।

Question 14.

मीरा ने अपने पदों में प्रभु के प्रति अपनी भावनाएँ कैसे व्यक्त की हैं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

मीरा ने प्रभु के प्रति अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए श्रीकृष्ण की भक्त वत्सलता, उदारता और दयालुता का गुणगान किया है। कभी श्रीकृष्ण की चाकरी कर मीरा खुद को दासी के रूप में प्रकट करती हैं तो कभी अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए मीरा खुद को सखी के रूप में श्रीकृष्ण से विनती करती हैं।

Question 15.

मीरा बाई किसकी चाकरी करना चाहती हैं और क्यों?

Answer:

मीरा बाई श्रीकृष्ण की चाकरी करना चाहती हैं क्योंकि वे उनसे एकनिष्ठ प्रेम करती हैं तथा उनकी अनन्य भक्त हैं। वे हर समय श्रीकृष्ण, अपने सांवरे के दर्शन और सामीप्य पाना चाहती हैं जो कि चाकरी द्वारा ही संभव हो पाएगा। मीरा श्री कृष्ण के प्रति अपने भक्ति भाव, दर्शन और सुमिरन को पूर्ण करना चाहती हैं।

2010

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 16.

मीराबाई ने श्री कृष्ण की रूप माधुरी का वर्णन कैसे किया है? उनके 'पद' के आधार पर बताइए।

Answer:

मीराबाई ने अपने आराध्य श्रीकृष्ण की रूप माधुरी का वर्णन अत्यंत सुंदर शब्दों में किया है। मीरा के सगुण साकार गोपीवल्लभ श्रीकृष्ण के सिर पर मोर के पंखों का मुकुट सुशोभित है। उन्होंने पीताम्बर धारण किया है। गले में बैजंती माला शोभायमान है। वे वृंदावन में गाएँ चराते हैं और मुरली बजाते हैं। गिरिधर नागर का सौंदर्य मन को मोह लेता है।

2009

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 17.

मीराबाई ने श्री कृष्ण की चाकरी की अभिलाषा क्यों व्यक्त की है?

Answer:

मीराबाई ने अपने आराध्य देव श्रीकृष्ण की चाकरी (सेवक बनकर सेवा करना) करने की अभिलाषा व्यक्त की है क्योंकि ऐसा करने से उन्हें भक्ति, सेवा, प्रेम और दर्शन तथा सान्निध्य नित्य प्राप्त हो सकेगा। किसी भी प्रकार से वह अपने आराध्य देव श्रीकृष्ण से दूर रहना नहीं चाहती हैं। वह श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 18.

मीराबाई ने श्री कृष्ण से अपनी पीड़ा हरने की प्रार्थना किस प्रकार की है?

Answer:

मीराबाई ने अपने आराध्य देव श्रीकृष्ण से अपने जीवन के दुख-दर्द को दूर करने की प्रार्थना की है,परंतु इसके लिए पहले उन्होंने श्रीकृष्ण को याद दिलाया है कि आपने तो जन-जन के दुख दूर किए हैं, द्रोपदी का वस्त्र बढ़ाकर उनकी लाज बचाई, भक्त प्रह्लाद को नरहरि का रूप धारण करके बचाया और डूबते हुए हाथी को बचाया अब इसी प्रकार दुखों से भरी नईया को इस भवसागर से पार करा दो।

Question 19.

मीराबाई किसकी चाकरी, किस प्रकार करना चाहती हैं और क्यों?

Answer:

मीराबाई अपने आराध्य देव श्रीकृष्ण का नित्य प्रेम, दर्शन व भक्ति तीनों ही पाने के लिए चाकरी करना चाहती हैं तथा वृंदावन की गलियों में अपने प्रभु की लीला का बखान करना चाहती हैं। इसी भक्ति के कारण अपने सारे सुख-वैभव त्याग कर अपने प्रभु के समीप रहना चाहती हैं। इसलिए मीराबाई श्रीकृष्ण जी से प्रार्थना करती हैं कि वे मुझे अपनी चाकरी में रख लें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in